बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2023

हिंदी लोकभारती

समय: 3 घंटे **कुल अंक: 80**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

सबसे पहले हम अंजुना बीच पहुँचे। गोवा में छोटे-बड़े करीब ४० बीच हैं लेकिन प्रमुख सात या आठ ही हैं। अंजुना बीच नीले पानीवाला, पथरीला बहुत ही खूबसूरत है। इसके एक ओर लंबी सी-पहाड़ी है, जहाँ से बीच का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। समुद्र तक जाने के लिए थोड़ा नीचे उतरना पड़ता है। नीला पानी काले पत्थरों पर पछाड़ खाता रहता है। पानी ने काट-काटकर इन पत्थरों में कई छेद कर दिए हैं जिससे ये पत्थर कमजोर भी हो गए हैं। साथ ही समुद्र के काफी पीछे हट जाने से पत्थरों के बीच में पानी भर गया है। इससे वहाँ काई ने अपना घर बना लिया है। फिसलने का डर हमेशा लगा रहता है लेकिन संघर्षों में ही जीवन है, इसलिए यहाँ घूमने का भी अपना अलग आनंद है। यहाँ युवाओं का दल तो अपनी मस्ती में डूबा रहता है, लेकिन परिवार के साथ आए पर्यटकों का ध्यान अपने बच्चों को खतरों से सावधान रहने के दिशानिर्देश देने में ही लगा रहता है। मैंने देखा कि समुद्र किनारा होते हुए भी बेनालिया बीच तथा अंजुना बीच का अपना-अपना सौंदर्य है। बेनालियम बीच रेतीला तथा उथला है। यह मछुआरों की पहली पसंद है।

(1) विशेषताएँ लिखिए: **[2]**

(i) अंजुना बीच → ☐ ☐

(ii) बेनालियम बीच → ☐ ☐

(2) **एक-दो** शब्दों में उत्तर लिखिए: **[2]**

(i) गोवा के छोटे-बड़े बीच की संख्या .....

(ii) काई ने यहाँ घर बना लिया था .....

(iii) अपने बच्चों को खतरों से सावधान कराने वाले .....

(iv) बेनालियम बीच इनकी पहली पसंद है .....

Target Publications

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) बदसूरत × .....

(2) नापसंद × .....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए पर्यायवाची शब्द लिखिए: **[1]**

(1) कमजोर – .....

(2) आनंद – .....

(4) अपने द्वारा किए हुए पर्यटन का एक अनुभव 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

आम तौर से माना जाता है कि रुपया, नोट या सोना-चाँदी का सिक्का ही संपत्ति है, लेकिन यह ख्याल गलत है क्योंकि ये तो संपत्ति के माप-तौल के साधन मात्र हैं। संपत्ति तो वे ही चीजें हो सकती हैं जो किसी-न-किसी रूप में मनुष्य के उपयोग में आती हैं। उनमें से कुछ ऐसी हैं जिनके बिना मनुष्य जिंदा नहीं रह सकता एवं कुछ, सुख-सुविधा और आराम के लिए होती हैं। अन्न, वस्त्र और मकान मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ हैं जिनके बिना उसकी गुजर-बसर नहीं हो सकती। इनके अलावा दूसरी अनेक चीजें हैं जिनके बिना मनुष्य रह सकता है।

प्रश्न उठता है कि संपत्तिरूपी ये सब चीजें बनती कैसे हैं? सृष्टि में जो नानाविध द्रव्य तथा प्राकृतिक साधन हैं, उनको लेकर मनुष्य शरीर श्रम करता है, तब यह काम की चीजें बनती हैं। अत: संपत्ति के मुख्य साधन दो हैं: सृष्टि के द्रव्य और मनुष्य का शरीर श्रम। यंत्र से कुछ चीजें बनती दिखती हैं पर वे यंत्र भी शरीर श्रम से बनते हैं और उनको चलाने में भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शरीर श्रम की आवश्यकता होती है। केवल बौद्धिक श्रम से कोई उपयोग की चीज नहीं बन सकती अर्थात बिना शरीर श्रम के संपत्ति का निर्माण नहीं हो सकता।

(1) आकृति में दिए गए शब्दों का सूचना के अनुसार वर्गीकरण कीजिए: **[2]**

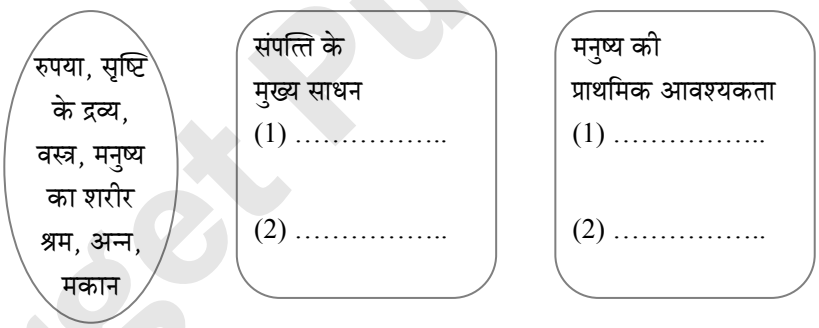

(2) उत्तर लिखिए: **[2]**

गद्यांश में उल्लेखित ख्याल	ख्याल गलत होने का कारण
_____	_____

(3) सूचनाओं के अनुसार कृति पूर्ण कीजिए: **[2]**

(i) गद्यांश में प्रयुक्त शब्दयुग्म लिखिए:

(1) ……..……..

(2) ……..……..

(ii) वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए:
चीजें बनती दिखती हैं।

(4) 'शारीरिक श्रम का महत्त्व' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

Target Publications

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

मधुरता सत्य का अनुपान है और मितता उसका पथ्य है। जिसे हम सम्यक वाणी कहते हैं; वह सत्य, मित और मधुर होती है और वही परिणामकारक भी होती है। समाज का हित किस बात में है, यह समझना कभी कठिन हो सकता है। परंतु सम्यक वाणी से ही वह सधेगा, यह किसी भी आदमी के लिए समझना कठिन नहीं होना चाहिए।

परंतु यही आज भारी हो रहा है। समाजहित के नाम पर कार्यकर्ताओं की वाणी दूषित हो गई है, अर्थात मन ही दूषित हो गया है। फिर कृति कैसे भूषित हो सकती है?

आज लेखन व भाषण के साधन सुलभतम हो गए हैं। परंतु शायद इसी कारण सभ्य वाणी दुर्लभ हो गई है। सभ्य वाणी को खोजकर सुलभ साधनों की प्राप्ति करना यानी कवि की भाषा में नेत्र बेचकर चित्र खरीदने जैसा है।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

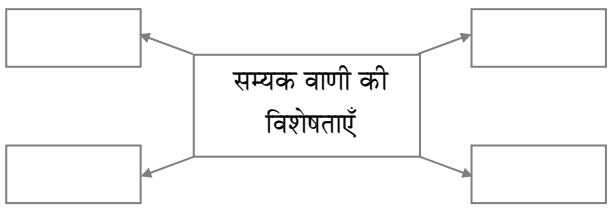

(2) 'वाणी : मनुष्य को प्राप्त वरदान' इस विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]

हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है,
जगत में मधुमास, उसपर सदा पतझर रहा है,
दीनता अभिमान जिसका, आज उसपर मान कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।
चूसकर श्रम रक्त जिसका, जगत में मधुरस बनाया,
एक-सी जिसको बनाई, सृजक ने भी धूप-छाया,
मनुजता के ध्वज तले, आह्वान उसका आज कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।

(1) आकृति में लिखिए: **[2]**

(i)

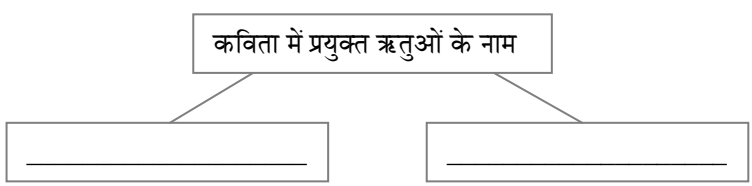

(ii)

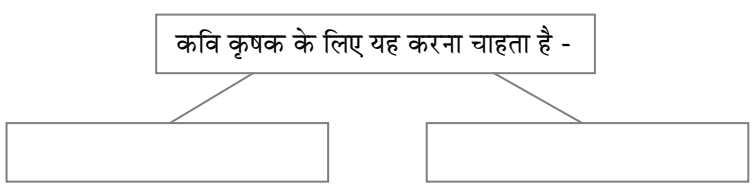

Target Publications

(2) (i) उपर्युक्त पद्यांश से 'ता' प्रत्ययुक्त **दो** शब्द ढूँढ़कर लिखिए : **[1]**

(1) …….

(2) ……..…

(ii) पद्यांश में आए **दो** संस्कृत शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) …….

(2) ……..…

(3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम **चार** पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]

दादुर धुनि चहुँ दिसा सुहाई। बेद पढ़हिं जनु बटु समुदाई।।
नव पल्लव भए बिटप अनेका। साधक मन जस मिले बिबेका।।
अर्क-जवास पात बिनु भयउ। जस सुराज खल उद्यम गयऊ।।
खोजत कतहुँ मिलइ नहिं धूरी। करइ क्रोध जिमि धरमहिं दूरी।।
ससि संपन्न सोह महि कैसी। उपकारी कै संपति जैसी।।
निसि तम घन खद्योत बिरजा। जनु दंभिन्ह कर मिला समाजा।।
कृषी निरावहिं चतुर किसाना। जिमि बुध तजहिं मोह-मद-माना।।
देखिअत चक्रबाक खग नाहीं। कलिहिं पाइ जिमि धर्म पराहीं।।
विविध जंतु संकुल महि भ्राजा। प्रजा बाढ़ जिमि पाई सुराजा।।
जहँ-तहँ रहे पथिक थकि नाना। जिमि इंद्रिय गन उपजे ग्याना।।

(1) परिणाम लिखिए: **[2]**

(i) कलियुग आने से ……..……..

(ii) सुराज होने से ……..……..

(iii) बरसात के आने से ……..……..

(iv) क्रोध के आने से ……..……..

(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: **[2]**

(i) ऐसे दो शब्द जिनका वचन परिवर्तन से रूप नहीं बदलता:

(1) ……..……..

(2) ……..……..

(ii) ऐसे शब्द जिनका अर्थ निम्न शब्द हो:

(1) मेंढक = ……..……..

(2) वृक्ष = ……..……..

(3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम **चार** पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। **[2]**

Target Publications

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

रूपा उस समय कार्य भार से उद्विग्न हो रही थी। कभी इस कोठे में जाती, कभी उस कोठे में, कभी कड़ाह के पास आती, कभी भंडार में जाती। किसी ने बाहर से आकर कहा – 'महाराज ठंडाई माँग रहे हैं।' ठंडाई देने लगी। आदमी ने आकर पूछा – 'अभी भोजन तैयार होने में कितना विलंब है? जरा ढोल–मंजीरा उतार दो।' बेचारी अकेली स्त्री दौड़ते-दौड़ते व्याकुल हो रही थी, झुँझलाती थी, कुढ़ती थी, परंतु क्रोध प्रकट करने का अवसर न पाती थी। भय होता, कहीं पड़ोसिनें यह न कहने लगें कि इतने में उबल पड़ीं। प्यास से स्वयं कंठ सूख रहा था। गरमी के मारे फुँकी जाती थी परंतु इतना अवकाश भी नहीं था कि जरा पानी पी ले अथवा पंखा लेकर झले। यह भी खटका था कि जरा आँख हटी और चीजों की लूट मची।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

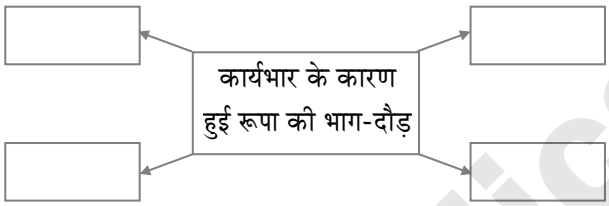

(2) 'कर्तव्यनिष्ठा और कार्यपूर्ति' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

मन की पीड़ा
छाई बन बादल
बरसीं आँखें।
चलतीं साथ
पटरियाँ रेल की
फिर भी मौन।
सितारे छिपे
बादलों की ओट में
सूना आकाश।

(1) उत्तर लिखिए: **[2]**

(i) मौन बनी – .....

(ii) छिपे हुए – .....

(iii) बरसीं हुईं – .....

(iv) सूना – .....

(2) 'मन के जीते जीत है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

Target Publications

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [14]

(1) अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए: **[1]**

गोवा देख मैं तरंगायित हो उठा।

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

(i) और

(ii) बहुत

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
.....	सम् + तोष	.....
अथवा		
सदैव	..... + ...	.....

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए: **[1]**

(i) इधर बच्चे रेत का घर बनाने लगे।

(ii) फिर भी धूप तीखी ही होती जाती।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
.....	.....

(5) निम्नलिखित में से किसी **एक** क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए: **[1]**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) खाना	.....	.....
(ii) धुलना	.....	.....

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

मुहावरा	अर्थ	वाक्य
(i) शेखी बघारना	.....	.....
(ii) निजात पाना	.....	.....

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**

(दाद देना, काँप उठना)

गीता के गाने की सभी श्रोताओं ने प्रशंसा की।

(7) निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारकों में से कोई **एक** कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए: **[1]**

(i) कितने दिनों की छुट्टियाँ हैं?

(ii) आवाज ने मेरा ध्यान बँटाया।

कारक चिह्न	कारक भेद
.....	.....

Target Publications

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**
उन्होंने पूछा यह कौन-सा महीना चल रहा है

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** वाक्यों का सूचना अनुसार काल परिवर्तन कीजिए: **[2]**
(i) बहुत से लोग अपनी आजीविका शरीर श्रम से चलाते हैं। (अपूर्ण भूतकाल)
(ii) वे बाजार से नई पुस्तक खरीदते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)
(iii) आप इतनी देर से नाप-तौल करते हैं। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकार लिखिए: **[1]**
आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए: **[1]**
(1) तुम्हें अपना ख्याल रखना चाहिए। (आज्ञार्थक वाक्य)
(2) थोड़ी देर बातें हुईं। (निषेधार्थक वाक्य)

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए: **[2]**
(i) बरसों बाद पंडित जी को मित्र का दर्शन हुआ।
(ii) लड़का, पिता जी और माँ बाजार को गई।
(iii) मैं मेरे देश को प्रेम करता हूँ।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए: **[26]**

(अ) (1) पत्रलेखन: **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:
सुनिल/समिक्षा जोशी, विवेकानंद छात्रावास, जालना से अपने छोटे भाई सुमित जोशी, 6/36 जोशी मार्ग, इंदौर, मध्य प्रदेश को "योग का महत्त्व" समझाते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

मोहन/महिमा पालेकर, यशवंतराव चव्हाण नगर, अकोट से व्यवस्थापक, संजीवनी औषधालय, लक्ष्मी रोड, नागपुर को पत्र लिखकर आयुर्वेदिक औषधियों की माँग करता/करती है।

(2) गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति:

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में **एक-एक** वाक्य में हों: **[4]**

बसंत के आगमन के साथ ही कभी-कभी ऐसा लगता है, मानो जंगल में लाल रंग की लपटें उठ रही हों, ये लपटें आग नहीं बल्कि पलाश के नारंगीपन लिए लाल फूलों की होती हैं। पलाश के लाल-लाल फूल आग की लपटों के समान ही दिखाई देते हैं। इसीलिए इसे 'फ्लेम ऑफ द फायर' कहा जाता है।

पलाश भारतीय भूल का एक प्राचीन वृक्ष है। इसे आदिदेव ब्रह्मा और चंद्रदेव से संबंधित अलौकिक वृक्ष माना जाता है। इसमें एक ही स्थान पर तीन पत्ते होते हैं। इस पर कहावत प्रचलित है– 'ढाक के तीन पात'। इसकी लकड़ी का हवन में उपयोग किया जाता है। इसीलिए इसे याज्ञिक भी कहते हैं। यज्ञ में काम आने वाले पात्र भी पलाश की लकड़ी से बनाए जाते हैं।

Target Publications

(आ) (1) वृत्तांत लेखन: **[5]**

युनियन हायस्कूल मुंबई में मनाए गए 'वृक्षारोपण समारोह' का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।
(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन:

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

एक गाँव – पीने के पानी की समस्या – दूर-दूर से पानी लाना – सभी परेशान – सभा का आयोजन – मिलकर श्रमदान का निर्णय – दूसरे दिन से केवल एक आदमी का काम में जुटना – धीरे-धीरे एक-एक का आना – सारा गाँव श्रमदान में – तालाब की खुदाई – बरसात के दिनों जमकर बारिश – तालाब का भरना – सीख।

(2) विज्ञापन लेखन: **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

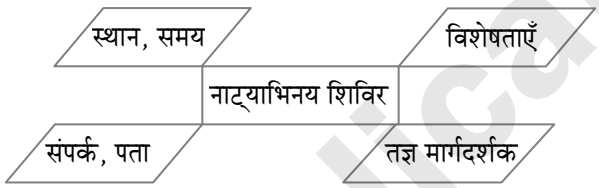

(इ) निबंध लेखन: **[7]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) एक किसान की आत्मकथा
(2) मेरा प्रिय खेल
(3) पुस्तक प्रदर्शनी में एक घंटा

Target Publications